



## कृत्रिम बुद्धिमत्ता और श्रम बाजार में परिवर्तन : एक आर्थिक विश्लेषण

Sumit Kumar

Independent Researcher, Department of Economics

Email: [Sujoyot10469@gmail.com](mailto:Sujoyot10469@gmail.com)

### Abstract:

वर्तमान समय में तकनीकी विकास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और श्रम बाजार की संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। विशेष रूप से *Artificial Intelligence* (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के विकास ने उत्पादन प्रणाली, कार्य प्रक्रियाओं और रोजगार के अवसरों में व्यापक परिवर्तन उत्पन्न किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनों को मानव जैसी सोचने, सीखने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है, जिसके कारण उद्योगों और सेवा क्षेत्रों में स्वचालन तेजी से बढ़ रहा है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के श्रम बाजार पर पड़ने वाले प्रभावों का आर्थिक विश्लेषण करना है। अध्ययन में यह पाया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से कई पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो रही हैं, जबकि नई तकनीकी और उच्च कौशल आधारित नौकरियों का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही श्रम उत्पादकता में वृद्धि हो रही है, जिससे आर्थिक विकास को भी गति मिलती है।

हालाँकि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोजगार में असमानता, कौशल अंतर (*Skill Gap*) और आय असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार और नीति निर्माता शिक्षा, कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दें ताकि श्रमिक बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप स्वयं को अनुकूलित कर सकें।

**मुख्य शब्द:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता, श्रम बाजार, रोजगार, तकनीकी परिवर्तन, आर्थिक विकास।

### 1. प्रस्तावना (Introduction)

तकनीकी विकास मानव सभ्यता के विकास का एक महत्वपूर्ण आधार रहा है। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक, प्रत्येक तकनीकी परिवर्तन ने उत्पादन प्रणाली और श्रम बाजार की संरचना को प्रभावित किया है। वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रहा है।

*Artificial Intelligence* ऐसी तकनीक है जो कंप्यूटर और मशीनों को मानव की तरह सीखने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। यह तकनीक डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और स्वचालित निर्णय प्रणाली के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की जा रही है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग उद्योग, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और कृषि जैसे कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसके कारण कार्य प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ी है और उत्पादन लागत में कमी आई है।

हालाँकि, तकनीकी विकास के साथ श्रम बाजार में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। कई पारंपरिक नौकरियाँ स्वचालन के कारण समाप्त हो रही हैं, जबकि नई प्रकार की नौकरियाँ उत्पन्न हो रही हैं जिनके लिए उच्च स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य यह अध्ययन करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता श्रम बाजार को किस प्रकार प्रभावित कर रही है तथा इसके आर्थिक परिणाम क्या हैं।

## 2. अध्ययन का महत्व (Significance of the Study)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) आज के डिजिटल युग में आर्थिक विकास और श्रम बाजार के ढाँचे को तेजी से बदल रही है। विभिन्न उद्योगों में स्वचालन (Automation) और स्मार्ट तकनीकों के उपयोग से उत्पादन क्षमता और कार्य दक्षता में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक नौकरियों की प्रकृति में परिवर्तन हो रहा है और नई प्रकार की कौशल आधारित नौकरियों की मांग बढ़ रही है।

यह अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समझने में सहायता करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता श्रम बाजार की संरचना, रोजगार के अवसरों, आय वितरण तथा कौशल विकास को किस प्रकार प्रभावित कर रही है। इसके साथ ही यह अध्ययन नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और अर्थशास्त्रियों के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे बदलती तकनीकी परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार नीतियों को विकसित कर सकें।

## 3. साहित्य समीक्षा (Literature Review)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और श्रम बाजार के संबंध में कई विद्वानों और संस्थाओं ने महत्वपूर्ण अध्ययन किए हैं।

Erik Brynjolfsson और Andrew McAfee के अनुसार डिजिटल तकनीक और स्वचालन से उत्पादकता में वृद्धि होती है, लेकिन इससे श्रम बाजार में असमानता भी बढ़ सकती है।

World Economic Forum की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले वर्षों में स्वचालन के कारण कई पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं, लेकिन इसके साथ ही नई तकनीकी नौकरियों का निर्माण भी होगा।

International Labour Organization के अनुसार तकनीकी परिवर्तन के कारण श्रमिकों की कौशल आवश्यकताओं में तेजी से परिवर्तन हो रहा है और श्रमिकों को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

इन अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता श्रम बाजार के लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करती है।

## 4. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

इस शोध के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अवधारणा को समझना।
2. श्रम बाजार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. रोजगार के स्वरूप में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करना।
4. भविष्य के श्रम बाजार के लिए नीतिगत सुझाव देना।
5. अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक आंकड़ों (Secondary Data) पर आधारित है।

अध्ययन के लिए निम्नलिखित स्रोतों से जानकारी एकत्रित की गई है—

अंतरराष्ट्रीय संगठनों की रिपोर्ट

शोध पत्र और अकादमिक जर्नल

सरकारी रिपोर्ट और आर्थिक सर्वेक्षण

विभिन्न शोध संस्थानों के अध्ययन

इन स्रोतों के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और श्रम बाजार के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया है।

## 6. श्रम बाजार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव

### (1) रोजगार के स्वरूप में परिवर्तन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन के कारण कई कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे विशेष रूप से कम कौशल वाली नौकरियों की मांग में कमी आई है।

### (2) नई नौकरियों का निर्माण

हालाँकि कुछ नौकरियाँ समाप्त हो रही हैं, लेकिन तकनीकी क्षेत्रों में नई नौकरियाँ भी उत्पन्न हो रही हैं जैसे—

डेटा वैज्ञानिक

मशीन लर्निंग इंजीनियर

एआई विशेषज्ञ

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ

### (3) उत्पादकता में वृद्धि

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से उत्पादन प्रक्रिया अधिक कुशल हो गई है, जिससे श्रम उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

### (4) कार्यस्थल की प्रकृति में परिवर्तन

आज कई कार्य ऑनलाइन और डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। इससे दूरस्थ कार्य (Remote Work) और डिजिटल रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

## 7. चुनौतियाँ (Challenges)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं—

1. बेरोजगारी की संभावना

2. आय असमानता में वृद्धि

3. कौशल अंतर (Skill Gap)

4. तकनीकी प्रशिक्षण की कमी

यदि इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो तकनीकी विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक नहीं पहुँच पाएगा।

## 8. नीतिगत सुझाव (Policy Suggestions)

1. शिक्षा प्रणाली में तकनीकी और डिजिटल कौशल को शामिल करना
2. श्रमिकों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाना
3. डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करना
4. सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार

## 9. सामाजिक निहितार्थ (Social Implications)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। एक ओर यह नई तकनीकी नौकरियों और नवाचार के अवसर पैदा कर रही है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक और कम-कौशल वाली नौकरियों के लिए चुनौती भी उत्पन्न कर रही है। इससे श्रम बाजार में असमानता बढ़ने की संभावना भी देखी जाती है, क्योंकि उच्च कौशल वाले श्रमिकों को अधिक अवसर मिलते हैं जबकि कम कौशल वाले श्रमिकों को रोजगार संकट का सामना करना पड़ सकता है।

साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता भी बढ़ गई है, ताकि श्रमिक नई तकनीकों के साथ तालमेल बैठा सकें। यदि सरकार और संस्थाएँ उचित प्रशिक्षण, सामाजिक सुरक्षा और पुनः कौशल विकास (reskilling) कार्यक्रमों को बढ़ावा दें, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाज में आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

## 10. निष्कर्ष (Conclusion)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण कारक बन चुकी है। इससे श्रम बाजार की संरचना, रोजगार के अवसर और कौशल की मांग में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

हालाँकि तकनीकी विकास से आर्थिक विकास को गति मिलती है, लेकिन इसके साथ ही श्रमिकों को नई परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करना भी आवश्यक है। यदि सरकार और नीति निर्माता शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान दें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सकारात्मक प्रभावों को अधिकतम किया जा सकता है।

## 11. References

1. Erik Brynjolfsson & Andrew McAfee (2014). *The Second Machine Age: Work, Progress, and Prosperity in a Time of Brilliant Technologies*. New York: W. W. Norton & Company.
2. Erik Brynjolfsson & Andrew McAfee (2017). *Artificial Intelligence and the Modern Economy*. MIT Sloan Management Review.
3. World Economic Forum (2020). *The Future of Jobs Report*.
4. International Labour Organization (2021). *World Employment and Social Outlook*.
5. International Monetary Fund (2021). *Artificial Intelligence and the Future of Work*.
6. World Bank (2019). *World Development Report: The Changing Nature of Work*.

7. Carl Benedikt Frey & Michael A. Osborne (2017). The Future of Employment: How Susceptible Are Jobs to Computerisation? Technological Forecasting and Social Change.
8. Daron Acemoglu & Pascual Restrepo (2020). Robots and Jobs: Evidence from US Labor Markets. Journal of Political Economy.
9. Organisation for Economic Co-operation and Development (2019). Artificial Intelligence in Society.
10. United Nations Development Programme (2021). Human Development Report.
11. International Labour Organization (2018). Automation and the Future of Work.
12. NITI Aayog (2018). National Strategy for Artificial Intelligence.
13. World Economic Forum (2023). Future of Jobs Report.
14. Kai-Fu Lee (2018). AI Superpowers: China, Silicon Valley, and the New World Order.
15. McKinsey Global Institute (2017). A Future That Works: Automation, Employment, and Productivity.
16. United Nations (2022). Digital Economy Report.
17. Reserve Bank of India (2022). Report on Trend and Progress of Banking in India.
18. Asian Development Bank (2020). Technology and Employment in Asia.
19. International Finance Corporation (2019). Technology and Jobs.
20. World Bank (2020). Artificial Intelligence and Economic Growth

**Citation:** Kumar. S., (2025) “कृत्रिम बुद्धिमत्ता और श्रम बाजार में परिवर्तन : एक आर्थिक विश्लेषण”, *Bharati International Journal of Multidisciplinary Research & Development (BIJMRD)*, Vol-4, Issue-02, February-2026.